an>

Title: Need to improvements in Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA).

श्री राजकुमार सैनी (कुरुक्षेत्र) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे एक गंभीर विÂषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

महोदय, मैं एक दिन मनरेगा स्कीम के निरीक्षण के लिए अपने लोक सभा क्षेत्र में भ्रमण पर निकला। मजदूरों को खाली बैठा देखकर, मुझे लगा कि इस स्कीम में भारी बदलाव की जरूरत है। एक तरफ किसान को 400 रुपये दिहाड़ी पर मजदूर नहीं मिल रहा है और दूसरी ओर 100 दिन की रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्यरत मजदूरों को 50 दिन से ज्यादा का वेतन नहीं मिलता। 365 दिनों में अगर किसी को 50 दिनों का वेतन ही मिलता हो तो उसका भला कैसे संभव है। बाकी पैसा मस्टर रोल भरने वाले लोगों की जेब में चला जाता है। यदि पांच एकड़ तक के छोटे किसान के साथ मनरेगा को जोड़ दिया जाए तो किसान को मजदूर सरकार द्वारा मिल जाएंगे और गांव के मजदूरों को खेत में हर वक्त मजदूरी मिल जाएगी। इससे मजदूर और किसान, दोनों का कल्याण हो जाएगा। खेती सस्ती हो जाएगी और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कृषि उत्पादन बिकने के दौरान मुद्रास्फीति को कंट्रोल किया जा सकेगा। एक ही स्कीम से देश की आधी आबादी को रोजगार मिल जाएगा और स्कीम का फर्जीवाड़ा भी रुक जाएगा।...(व्यवधान)

HON. DEPUTY-SPEAKER: S/Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri Sharad Tripathi, Shri Chandra Prakash Joshi and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Rajkumar Saini.